मन की बात

एक कदम स्वच्छता की ओर

हाँ...
रोज जब
मैं लोटा
लेकर मैदान,
जाती थी, कितने
ताने, इशारे,
शरमिंदगी सहती,
लज्जित होकर मैं आती थी,
बारिश में चाहे, धूपकाल में हर हाल बीमारी में,
होती बहुत परेशानी थी, रात में लगता, कीट सांपों
का डर, घर रहकर भी लगता था बेघर, अब उठक
बैठक मैंने बंद किया, बंद किया बाहर शौच जाना,
आज मेरे घर शौचालय है, जो मेरा इज्जतालय है,
मुझे अब नहीं जाना पड़ता, झाड़ी के पीछे, तालाब के किनारे
खेत के मेड़ की आड़ पर, मेरे गांव की हर माँ,
बहन, बेटी को अभिमान है, अब गांव
पर, सभी को यह समझाये, मेरी
कहानी अवश्य सुनाये, शौच
के लिए शौचालय में ही जाये,
स्वच्छता अपनायें,
बीमारी दूर भगाये,
आओं –
खुले में शौच
मुक्त
भारत
बनाये ।

मेरा
शौचालय
मेरा
सम्मान

आपका साथी
देवेन्द्र चौहान
जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)
जिला पंचायत राजनांदगांव (छ.ग.)
मो. 07354486932